रांची में भड़के छात्र, पुलिस का लाठीचार्ज और आंसू गैस! देखिए क्या हुआ

विषय सूची (Table of Contents):

>> १. रांची में छात्र प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प...
>> विधानसभा मार्च के दौरान बेकाबू हुए हालात...
>> वाटर कैनन और आंसू गैस का इस्तेमाल...
>> २. पुलिस ने क्यों किया लाठीचार्ज और दागे आंसू गैस के गोले?...
>> रांची सिटी एसपी पारस राणा का आधिकारिक बयान...
>> चार बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़े प्रदर्शनकारी...
>> ३. बैरिकेडिंग टूटने और पत्थरबाजी से पुलिसकर्मियों समेत कई छात्र घायल...
>> घायलों की सूची और स्थिति...
>> ४. क्या हैं प्रदर्शनकारी छात्रों की जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं से जुड़ी मुख्...
>> परीक्षाओं में कथित धांधली और पेपर लीक का आरोप...
>> प्रमुख मांगों की सूची (Latest Update 2026)...
>> ५. भूख हड़ताल पर बैठे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो का सरकार पर तीखा हमला...
>> स्ट्रेचर पर बैठकर प्रदर्शन में शामिल हुए छात्र नेता...
>> सरकार डर गई है और पुलिस को आगे कर रही है ...
>> ६. सरकार और छात्रों के बीच हुई वार्ता में किन मुद्दों पर बनी सहमति?...
>> स्टेट गेस्ट हाउस में हुई त्रिपक्षीय वार्ता...
>> किन मांगों पर बनी सहमति?...
>> ७. सीबीआई जांच और जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द करने की मांग पर अब भी अड़े छात्र...
>> पेच कहां फंसा है?...
>> ८. छात्र आंदोलन को मिल रहा राजनीतिक समर्थन और आगे की रणनीति...
>> विपक्षी दलों और क्षेत्रीय संगठनों का समर्थन...
>> आगे का रास्ता और करियर के विकल्प...
>> निष्कर्ष...
>> महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर...

झारखंड की राजधानी रांची में10 अगस्त 2026को सरकारी भर्ती परीक्षाओं में हुई कथित धांधली के विरोध में छात्रों का उग्र प्रदर्शन देखने को मिला। जेपीएससी (JPSC) और जेएसएससी (JSSC) परीक्षाओं को रद्द करने की मांग को लेकर हजारों छात्र रांची की सड़कों पर उतरे और विधानसभा घेराव के लिए मार्च निकाला।

विधानसभा मार्च के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारी छात्रों के बीच तीखी झड़प हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को वाटर कैनन, आंसू गैस के गोले और लाठीचार्ज का सहारा लेना पड़ा। इस घटना के बाद राजधानी में अफरा-तफरी का

माहौल बन गया।

१. रांची में छात्र प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प

विधानसभा मार्च के दौरान बेकाबू हुए हालात

झारखंड में विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं की निष्पक्षता को लेकर छात्रों का आंदोलन पिछले कई दिनों से जारी है। 10 अगस्त को हजारों की संख्या में अभ्यर्थी अपनी मांगों को लेकर रांची में एकत्र हुए और विधानसभा की ओर बढ़ने लगे। पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे, लेकिन छात्र बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने लगे।

पुलिस ने छात्रों को रोकने के लिए कई स्तरों पर सुरक्षा घेरा तैयार किया था। जैसे ही प्रदर्शनकारी सुरक्षा घेरा तोड़ने लगे, दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई, जिसने जल्द ही हिंसक टकराव का रूप ले लिया।

वाटर कैनन और आंसू गैस का इस्तेमाल

प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए रांची पुलिस ने सबसे पहले पानी की बौछारें (Water Cannon) चलाईं। इसके बावजूद जब छात्र पीछे हटने को तैयार नहीं हुए और आगे बढ़ते रहे, तब पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठियां भांजीं।

२. पुलिस ने क्यों किया लाठीचार्ज और दागे आंसू गैस के गोले?

रांची सिटी एसपी पारस राणा का आधिकारिक बयान

लाठीचार्ज और आंसू गैस दागे जाने की घटना पर रांची सिटी के एसपी पारस राणा ने स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन में शामिल90 फीसदी छात्र शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कर रहे थे, लेकिन 10 फीसदी असामाजिक तत्व और उग्र युवा किसी की बात सुनने को तैयार नहीं थे।

चार बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़े प्रदर्शनकारी

सिटी एसपी के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस द्वारा लगाए गए चार सुरक्षा बैरिकेड्स को जबरन तोड़ दिया। जब उन्हें समझाने-बुझाने का प्रयास किया गया, तो वे पांचवें बैरिकेड की तरफ बढ़े और उसे भी क्षतिग्रस्त कर दिया। इस दौरान कई पुलिसकर्मी बैरिकेड्स के नीचे दब गए।

>> सुरक्षा बलों को धक्का देना:उग्र भीड़ ने तैनात पुलिस बल के साथ धक्का-मुक्की की और आगे बढ़ने का प्रयास किया।

>> पत्थरबाजी की घटना:पुलिस का दावा है कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों को निशाना बनाकर पथराव भी किया।

>> सीमित बल प्रयोग:एसपी ने स्पष्ट किया कि पुलिस ने महज 30 सेकंड के लिए नियंत्रित बल प्रयोग किया और फिर संयम बरतते हुए छात्रों से शांति बनाए रखने की अपील की।

३. बैरिकेडिंग टूटने और पत्थरबाजी से पुलिसकर्मियों समेत कई छा

घायलों की सूची और स्थिति

इस हिंसक टकराव में दोनों पक्षों के लोग चोटिल हुए हैं। रांची पुलिस के अनुसार, बैरिकेड गिरने और धक्का-मुक्की की वजह से तीन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से दबकर चोटिल हो गए। इसके अलावा चार से पांच प्रदर्शनकारी छात्र भी मामूली रूप से घायल हुए हैं।

सभी घायल छात्रों को तत्काल एम्बुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। सिटी एसपी ने छात्रों को हमारा भाई-बंधु बताते हुए शांति बनाए रखने की बार-बार अपील की है।

अगर आप आंदोलनों के दौरान विधिक व कानूनी अधिकारों की जानकारी चाहते हैं, तो यह रिपोर्ट पढ़ें:सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: रिहा होंगे गिरफ्तार प्रदर्शनकारी!

४. क्या हैं प्रदर्शनकारी छात्रों की जेपीएससी और जेएसएससी परी

परीक्षाओं में कथित धांधली और पेपर लीक का आरोप

झारखंड के छात्र संगठन लंबे समय से राज्य में आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं पारदर्शी प्रक्रिया अपनाने

की मांग कर रहे हैं। छात्रों का आरोप है कि परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं और पेपर लीक की घटनाएं हुई हैं, जिससे योग्य अभ्यर्थियों का भविष्य खतरे में पड़ गया है।

प्रमुख मांगों की सूची (Latest Update 2026)

>> JSSC-CGL परीक्षा रद्द करना:जेएसएससी-सीजीएल (JSSC-CGL) परीक्षा में हुई धांधली के कारण इसे पूरी तरह निरस्त किया जाए।

>> 14वीं JPSC प्रारंभिक परीक्षा रद्द हो:14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा को रद्द कर नए सिरे से तिथियां घोषित की जाएं।

>> बैकलॉग परीक्षाएं रद्द हों:जेपीएससी की वर्ष 2023 और 2025 की बैकलॉग परीक्षाओं को तुरंत रद्द किया जाए।

>> सीबीआई (CBI) जांच:पूरी भर्ती प्रक्रिया और लीक मामलों की स्वतंत्र जांच सीबीआई से कराई जाए।

देश भर के अन्य विश्वविद्यालयों और राज्यों में भी पेपर लीक को लेकर भारी आक्रोश देखा गया है, जैसी घटना हाल ही में बीएचयू में भी हुई थी:पेपर लीक पर बवाल: BHU में छात्रों का उग्र प्रदर्शन, मांगा इस्तीफा

५. भूख हड़ताल पर बैठे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो का सरकार

स्ट्रेचर पर बैठकर प्रदर्शन में शामिल हुए छात्र नेता

झारखंड छात्र आंदोलन की अगुवाई कर रहे प्रमुख छात्र नेतादेवेंद्र नाथ महतोपिछले 9 दिनों से अनिश्चितिकालीन भूख हड़ताल (Uncapped Hunger Strike) पर बैठे हैं। इसके बावजूद वे एम्बुलेंस से प्रदर्शन स्थल पहुंचे और स्ट्रेचर पर लेटे-लेटे ही मार्च का नेतृत्व किया।

सरकार डर गई है और पुलिस को आगे कर रही है

मीडिया से बातचीत करते हुए देवेंद्र नाथ महतो ने राज्य सरकार पर तीखे जुबानी हमले किए। उन्होंने कहा:

मैं 9 दिनों से भूखा हूं, लेकिन छात्रों के हक के लिए एम्बुलेंस से यहां आया हूं। सरकार आंसू गैस और वाटर कैनन का सहारा ले रही है, जो पूरी तरह से कायरतापूर्ण और निंदनीय है। जब-जब सरकार डरती है, पुलिस को आगे करती है। सरकार के साथ तीन दौर की बातचीत हो चुकी है, अब कोई वार्ता नहीं होगी। यदि हमारी मांगें नहीं मानी गईं तो सरकार की नींव हिल जाएगी।

६. सरकार और छात्रों के बीच हुई वार्ता में किन मुद्दों पर बनी

स्टेट गेस्ट हाउस में हुई त्रिपक्षीय वार्ता

इससे पूर्व रविवार को रांची स्थित स्टेट गेस्ट हाउस में झारखंड सरकार के प्रतिनिधियों और आंदोलनकारी छात्रों के प्रतिनिधिमंडल के बीच एक अहम बैठक हुई थी। सरकार का दावा है कि उसने छात्रों की लगभग98 फीसदी मांगों पर सहमतिजिताई है।

किन मांगों पर बनी सहमति?

देवेंद्रनाथ महतो गुट के प्रवक्ता रवींद्र रवि और छात्र नेता रवींद्र पासवान ने मीडिया को बताया कि वार्ता के दौरान निम्नलिखित बिंदुओं पर सहमति बनी थी:

>> 14वीं JPSC PT परीक्षा रद्द:सरकार 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने पर सहमत हो गई है।

>> JPSC बैकलॉग परीक्षा रद्द:वर्ष 2023 और 2025 की जेपीएससी बैकलॉग परीक्षाओं को रद्द करने का आश्वासन दिया गया है।

>> उच्चस्तरीय जांच समिति:इन धांधलियों की जांच के लिए रिटायर्ड जज, सीआईडी (CID) या ईडी (ED) से जांच कराने की बात कही गई।

७. सीबीआई जांच और जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द करने की मांग

पेच कहां फंसा है?

सरकार के आश्वासन के बावजूद छात्र आंदोलन समाप्त करने को तैयार नहीं हैं। सबसे बड़ा गतिरोधJSSC-CGL परीक्षा को रद्द करनेऔर पूरे मामले की जांच सीधेCBI (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो)को सौंपने को लेकर है।

छात्र नेताओं का कहना है कि राज्य सरकार की जांच एजेंसियों (CID Local Police) पर उन्हें भरोसा नहीं है। जब तक जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द करने का आधिकारिक PDF नोटिफिकेशन जारी नहीं होता और सीबीआई जांच की सिफारिश केंद्र को नहीं भेजी जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

८. छात्र आंदोलन को मिल रहा राजनीतिक समर्थन और आगे की रणनीति

विपक्षी दलों और क्षेत्रीय संगठनों का समर्थन

झारखंड में छात्रों के इस विशाल प्रदर्शन को अब राजनीतिक समर्थन भी मिलने लगा है। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष रांका समेत कई अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं ने प्रदर्शन स्थल पर पहुंचकर छात्रों की मांगों का समर्थन किया और कहा कि वे छात्रों के इस संघर्ष में उनके साथ हैं।

आगे का रास्ता और करियर के विकल्प

लंबे समय से सरकारी भर्तियों के अटकने के कारण युवाओं में भारी निराशा है। ऐसे में कई युवा स्वरोजगार और बिजनेस मॉडल की ओर भी रुख कर रहे हैं। यदि आप भी किसी सरकारी योजना के तहत नया काम शुरू करना चाहते हैं, तो यह गाइड देखें:गांव में बंपर कमाई! सरकार दे रही बिना गारंटी 10 करोड़ का बिजनेस लोन

निष्कर्ष

झारखंड में 10 अगस्त 2026 को हुआ छात्र प्रदर्शन राज्य में परीक्षा प्रणाली और पारदर्शी भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर उठे गंभीर सवालों को रेखांकित करता है। यद्यपि रांची पुलिस ने स्थिति को बेकाबू होने से रोकने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग किया, लेकिन छात्रों का आक्रोश अभी शांत नहीं हुआ है। सरकार को चाहिए कि वह छात्रों के प्रतिनिधिमंडल से पारदर्शी संवाद कायम कर समस्या का स्थायी समाधान निकाले ताकि युवाओं का भविष्य अंधकारमय न हो।

महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर

रांची पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारी पांच बैरिकेड्स तोड़कर आगे बढ़ रहे थे, जिससे पुलिसकर्मी दब गए और पत्थरबाजी की घटनाएं भी हुईं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने सीमित बल प्रयोग किया।

इस छात्र आंदोलन का नेतृत्व मुख्य रूप से छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो और उनके सहयोगी (रवींद्र रवि, रवींद्र पासवान) कर रहे हैं। देवेंद्र नाथ महतो पिछले 9 दिनों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं।

छात्रों की मुख्य मांग JSSC-CGL परीक्षा और 14वीं JPSC पीटी परीक्षा को रद्द करना तथा पूरी भर्ती प्रक्रिया में हुई

धांधली की जांच सीबीआई (CBI) से कराना है।

हां, सरकार 14वीं JPSC प्रारंभकि परीक्षा और JPSC बैकलॉग परीक्षाओं को रद्द करने तथा उच्चस्तरीय जांच समतिि गठति करने पर सहमत हुई है, लेकनि JSSC-CGL और CBI जांच पर पेंच अभी फंसा हुआ है।

रांची पुलसि के मुताबकि, बैरकिेडगि के नीचे दबने और झड़प से 3 पुलसिकर्मी और 4 से 5 प्रदर्शनकारी छात्र मामूली रूप से घायल हुए हैं, जनि्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।